

राष्ट्रीयसंस्कृतविद्यापीठग्रन्थमाला - २३४

ISSN: 2231 - 0452

राष्ट्रीयसंस्कृतविद्यापीठस्य षाणमासिकी शोधपत्रिका —————

महरिवनी

कुसुमम् : सप्तमम्

वर्षम् : २००९

सम्पुटम् : प्रथमम्

प्रधानसम्पादकः

आचार्यः हरेकृष्णशतपथी

कुलपति:, राष्ट्रीयसंस्कृतविद्यापीठम्, तिरुपतिः



राष्ट्रीयसंस्कृतविद्यापीठम्

(मानितविश्वविद्यालयः)

तिरुपतिः - 517 064 (आन्ध्रप्रदेशः)

शोधलेखसूची

— :: —

विषयः

पुटसंख्या

पुरोवाक् — आचार्यः हरेकृष्णशतपथी, प्रधानसम्पादकः
सम्पादकीयम् — डा. के. सूर्यनारायणः, सम्पादकः

| | | |
|----|--|----|
| 1. | Epic in Western literature and Sanskrit Mahākāvya | 1 |
| | — Dr. S. Ramaswamy | |
| 2. | संस्कृतशास्त्राध्ययनावश्यकता | 11 |
| | — प्रो. वि. मुरलीधर शर्मा | |
| 3. | वरदराजाभिमतः निर्विकल्पकविचारः | 19 |
| | — डा. पि.टि.जि.वै. सम्पत्कुमाराचार्युलु | |
| 4. | Influence of yogic practices and physical exercise on stress induced disease patients | 23 |
| | — Dr . M. Adikesavulu Naidu | |
| 5. | Spiritual Value of Management Science in Ancient India - A Study | 37 |
| | — Dr. Khagendra Patra | |
| 6. | गोचरविचारः | 49 |
| | — डा. वि. उण्णिकृष्णन् नम्प्यातिरि | |

| | | |
|-----|---|-----|
| 7. | The incarnations of Visnu in the Puranas and their Vedic origin — Dr. Manjula Devi | 55 |
| 8. | Underground water exploration in Indian tradition with special reference to Brhatsamhita of Varahamihira — Dr. Ram Nath Jha | 71 |
| 9. | काव्यानुमितेनुमानाऽलङ्कारध्वनौ प्रवेशः — डा. रामकुमार शर्मा | 81 |
| 10. | The art of thieving as narrated by Sudraka in Mrcchakatika — Dr. K. Yedukondalu | 91 |
| 11. | The concept of Dravya in Paninian grammar — Dr. K.Suryanarayana | 107 |
| 12. | काव्यदोषाः — डा. चन्द्रकला आरु, कोणडी | 117 |

—::O::—